OFFICE OF THE DIRECTOR
CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY
SHREE SADASHIVA CAMPUS, PURI(ODISHA).

Notification No:- 353

Date : 22.09.2023

Enclosed find herewith the letter No.- CSU/GNJHA CAMPUS/R&P-39/2023/1067, Dtd:21.09.2023 received from Co-ordinator, Research & Development Cell, CSU, Ganganath Jha Campus, Prayagraj (UP) is hereby sent to the following for information and necessary action. The Concerned guides are directed to make a note of is act accordingly. The same copies will be available in Whats-app group of CSU,SSC,Puri.

1. Prof. (Smt) A.Prusty, Co-ordinator , R&D cell, CSU,SSC,Puri.
2. Dr. G.Shukla Asst.Co-ordinator, R&D cell, CSU,SSC,Puri.
3. All Guides of concerned Research Scholar, CSU,SSC,Puri.
4. CSU Whats-app group / Campus Website .

22-9-2023
DIRECTOR I/C
CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY
PURI(ODISHA)

Dy No- 699
Dt. 22/09/2023

DIRECTOR SHRI SADASHIV CAMPUS <director-puri@csu.co.in>

सत्र 2021-22 के शोधच्छात्रों के शोधप्रस्ताव के ऑनलाइन समीक्षण के सन्दर्भ में ।

1 message

Research & Development Cell <rdc@csu.co.in> Thu, Sep 21, 2023 at 6:11 PM
To: DIRECTOR SHRI SADASHIV CAMPUS <director-puri@csu.co.in>, rc_ssc@csu.co.in
Cc: director-academic@csu.co.in, RESEARCH & PUBLICATIONS CSU <res-pub@csu.co.in>, Vice Chancellor CSU <vc@csu.co.in>

नमस्ते,
कृपया संलग्न फाइल का अवलोकन कीजिए।

Research & Development Cell
Central Sanskrit University
Ganganath Jha Campus,
Azad Park, Prayagraj - 211002
0532-2460956 (Fax), 0532-2460957
Email Id- rdc@csu.co.in
Website- http://www.csu-prayagraj.res.in/

2 attachments

1067.pdf
436K

पुरी परिसर.pdf
705K

To.
S.O
22.9.2023

ch. m.m.P.
22/9/23

शोधविकासप्रकोष्ठः
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
गङ्गानाथझापरिसरः, प्रयागराजः
(प्राक्तनं राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, मानितविश्वविद्यालयः)

Research & Development Cell
Central Sanskrit University
Ganganath Jha Campus, Prayagraj
(Formerly Rashtriya Sanskrit Sansthan, Deemed to be University)

पत्रांक / Ref. :

दिनाङ्क / Dated :

पत्रांक- के.सं.वि./ग.ना.झा परिसर/शो.प्र. - 39/2023/1067

दिनाङ्क - 21.09.2023

सेवा में,

निदेशक
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
समस्त परिसर

विषय – सत्र 2021-22 के शोधच्छात्रों के शोधप्रस्ताव के ऑनलाईन समीक्षण के सन्दर्भ में।

महोदय,

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सत्र 2021-22 के विद्यावारिधि शोधच्छात्रों के द्वारा दिनाङ्क 12.07.2023 से 27.07.2023 तक शोध प्रस्ताव प्रस्तुति की गई। इसका विशेषज्ञों के द्वारा समीक्षण के उपरान्त उनके परामर्श तथा निर्णय विषयक पत्र 4.8.2023 को प्रेषित किया गया था। इस उपवेशन में जिन शोधच्छात्रों के शोध शीर्षक अस्वीकृत/ विचारणीय/पुनः प्रस्तुत करें/ अथवा संशोधित शीर्षक के साथ प्रस्तुत करें , इत्यादि निर्देश दिये गये हैं वे शोधच्छात्र विशेषज्ञों के द्वारा प्रदत्त परामर्श के अनुरूप अपने शोधमार्गदर्शक के साथ विचार कर पूर्वोक्त परामर्श के अनुसार पुनः शोध प्रस्ताव सम्पादित करके पुनः शोध प्रस्ताव प्रस्तुति के लिए तैयार रहें। अग्रिम शोध समीक्षण उपवेशन नवम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में किया जा सकता है।

शोधच्छात्रों का विवरण इस पत्र के साथ संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है। शोधच्छात्र एवं मार्गदर्शक को सूचित करने का कष्ट करें।

सूची संलग्न है।

सादर,

संयोजक

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ

प्रतिलिपि-

i. माननीय कुलपति महोदय
ii. अधिष्ठाता शैक्षिक वृन्त
iii. शोध एवं प्रकाशन विभाग
iv. सम्बद्ध सञ्चिका

संयोजक

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ

Central Sanskrit University

Research & Development Cell

Research Proposal Presentation (Ph.D.) (2021-2022 Batch)

Puri Campus

S.NO.	Registration No.	Candidate Name	Guide Name	Subject Name	Campus	Title	स्वीकृत/अस्वीकृत
1.	VV/7706 2021-22	SATYANARAYAN PANDA	भाग्य सिहं गुर्जर	Education	Sadashiv Campus, Puri	पश्चिमवङ्गराज्यस्थमेदिनीपुरमण्डलस्य ग्रामीणक्षेत्रस्य सर्वकारीयोच्च-माध्यमिकविद्यालयेषु अधीयानानां संस्कृतच्छात्राणां व्यावसायिक-काङ्क्षायाः एकमध्ययनम्	• **यह शीर्षक अस्वीकृत है।** • शोध के परिणाम का भावी योजना में विनियोग हो ऐसे नूतन शीर्षक के अनुरूप प्रस्तुत करें। • शोध के औचित्य का निरूपण अपेक्षित है। • रा.शि.नी. 2020 एवं के.सं.वि. के शोधनीति के अनुरूप पुनः शोधप्रस्ताव प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र शोध कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।
2.	VV/7687 /2021-22	BIKASH KUMAR RAUTRAY	प्रो. अनुपमा पुष्टि	Vyakarana	Sadashiv Campus, Puri	सामवेदसंहितायाः क्रियापदानां स्वरूपार्थविश्लेषणम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक से परामर्श करके संशोधित शीर्षक के अनुरूप पुनः प्रस्तुत करें। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।
3.	VV/7692 /2021-22	MAYURI DAS	प्रो. अनुपमा पुष्टि	Navya Vyakarana	Sadashiv Campus, Puri	कातन्त्रपाणिनीयव्याकरणयोः कृदन्तकारकसूत्राणां तुलनात्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक से परामर्श करके नूतन शीर्षक के अनुरूप पुनः प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।

4.	VV/7709 /2021-22	SUBHRAJIT PAL	डॉ. सुसान्त कुमार राय	Navya Vyakarana	Sadashiv Campus,	आचार्यभर्तृहरिकृतवाक्यपदीयस्थपदकाण्डस्य भाषावैज्ञानिकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक से परामर्श करके संशोधित शीर्षक के अनुरूप पुनः प्रस्तुत करें • शीर्षक पर अनेक शोधकार्य किये जा चुके है। • पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण अपेक्षित था। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप नूतन शीर्षक प्रस्तुत करें।
5.	VV/7713 /2021-22	SUTAPA MOHANTY	डॉ. सगारिकानन्द	Navya Vyakarana	Sadashiv Campus, Puri	शब्दसाधुत्वसन्दर्भे संस्कृतव्याकरणस्य योगदानम् - एकंभाषाशास्त्रीयमध्ययनम्	• **समिति ने संशोधित शीर्षक स्वीकृत किया।** • **संशोधित शीर्षक-** 'ओडियाभाषायाः प्रयोगविधौ पाणिनीयव्याकरणस्य योगदानम्'। • वाक्यसंरचना, पदनिर्माण, अन्वयविधि, प्रयोगकौशल, कारकविभक्ति, कृदन्त, तद्धित प्रत्ययों के अनुसार पाणीनीयव्याकरण का प्रभाव का विवेचन अपेक्षित है। • मार्गदर्शक से परामर्श करके संशोधित शीर्षक के अनुरूप पुनः प्रस्तुत करें। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें।
6.	VV/7695 /2021-22	PALLAB KUMAR DAS	प्रो. अनुपमा पुष्टि	Navya Vyakarana	Sadashiv Campus, Puri	सिद्धान्तचन्द्रिकासिद्धान्तकौमुद्योः उत्तरार्धे तुलनात्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
7.	VV/7678 2021-22	SUCHITRA RANI ROUT	डॉ. सागरिका नन्दा	Sankhya Yoga	SADASHIV CAMPUS PURI	साङ्ख्ययोगदर्शनयोः मनोवैज्ञनिकतत्त्वानामध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक के साथ वार्ता करके पुनः शोधप्रस्ताव प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र शोध कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।

VV/7679 2021-22

8.	VV/7679 2021-22	SUSILA CHINDRA	डॉ. महेश झा	Sankhya Yoga	SADASHIV CAMPUS PURI	रोगनिवारणाय आसनप्राणायाममुद्राध्यानधारणानां समुपयोगित्वम् - एकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक से परामर्श करके नूतन शीर्षक के अनुरूप पुनः प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र शोध कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
9.	VV/7716 2021-22	RASMITA KUMARI JENA	डॉ. गणपति शुक्ल	Nyaya	SADASHIV CAMPUS PURI	श्रीमदयनाचार्यकृतात्मतत्त्वविवेके समागतसिद्धान्तानां दर्शनान्तरैः सह तुलनात्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक से परामर्श करके नूतन शीर्षक के अनुरूप पुनः प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र शोध कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
10.	VV/7705 2021-22	SASMITA RANI PARIDA	डा.भगवान् सामन्त राय	Advaita Vedanta	SADASHIV CAMPUS PURI	अद्वैतवेदान्तस्य पाठ्यक्रमे नवशिक्षानीते प्रभावः, एकं - समीक्षणात्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक से परामर्श करके नूतन शीर्षक के अनुरूप पुनः प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र शोध कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
11.	VV/7678 2021-22	SUCHITRA RANI ROUT	डॉ. सागरिका नन्दा	Sankhya Yoga	SADASHIV CAMPUS PURI	साङ्ख्ययोगदर्शनयोः मनोवैज्ञनिकतत्त्वानामध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक के साथ वार्ता करके पुनः शोधप्रस्ताव प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र शोध कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।
12.	VV/7682/ 2021-22	PUJA ACHARYA		Veda	SADASHIV CAMPUS PURI		अनुपस्थित
13.	VV/7683/ 2021-22	RENUKA PARIDA	प्रो. किशोर कुमार दलाई	Veda	SADASHIV CAMPUS PURI	सायणकृतऋग्वेदभाष्येप्रतिपादितान काव्यशास्त्रीयतत्त्वानामनु-शीलनम्	• **शीर्षक विचारणीय है।** • मार्गदर्शक से परामर्श करके संशोधित शीर्षक के अनुरूप पुनः प्रस्तुत करें। • पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है।

							• अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टत: विस्तरश: बिन्दुश: समग्र शोध कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें।
14.	VV 7684 2021-22	SMITARANI SETHY		Veda	SADASHIV CAMPUS PURI		अनुपस्थित
15.	VV 7698 2021-22	PRIYANKA CHOWDHURY	डॉ बिजयलक्ष्मीमहापात्रा	Veda	SADASHIV CAMPUS PURI	वैदिकजर्मनज्योतिषोक्तदेवानामन्त सम्बन्धाध्ययनम्	• **शीर्षक स्वीकृत है।** • शोध की सम्भावनाओं के विषय में मार्गदर्शक से वार्ता करें। • मार्गदर्शक से परामर्श करके सशोधित शीर्षक में और अपेक्षित परिष्कार करके पुन: प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टत: विस्तरश: बिन्दुश: समग्र शोध कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें।
16.	V/7697/2021-22	PRIYADARSINI NDIRA	प्रो. किशोरकुमार दलाई	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	आदिकन्दमिश्रविरचितस्य मङ्गलाचरणश्लोकशतकस्य समीक्षात्मक सम्पादनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • विषय अत्यन्त अल्प है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टत: विस्तरश: बिन्दुश: समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
17.	V/7700/2021-22	RABI NARAYAN ACHARYA	प्रो. किशोर कुमारदलाई	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	कविशिक्षापरम्परायां देवेश्वरभट्टविरचितकविकल्पलता ग्रन्थस्य समीक्षात्मकम् अध्ययनम्।	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • विषय की स्पष्टता नहीं है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टत: विस्तरश: बिन्दुश: समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
18.	V/7701/2021-22	RAJLAXMI DIXIT	डॉ. किशोर कुमार दलाई	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	भर्तृहरिविर्वेदनाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • विषय की स्पष्टता नहीं है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टत: विस्तरश: बिन्दुश: समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।

19.	PV/7702/2021-22	ROJALIN MISHRA	डॉ. किशोर कुमार दलाई	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	प्रभावतीपरिणय-प्रभावतीहरणयो तुलनात्मकमध्ययनम	• वर्तमान शीर्षक अस्वीकृत है। • शीर्षक में संशोधन करके पुनः शीर्षक प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढ़कर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
20.	PV/7703/2021-22	RONALI PRIYADARSINI BISWAL	डॉ. किशोर कुमार दलाई	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	विश्वेश्वर-पण्डितगोवर्धनचार्यकृतयोः – आर्यासप्तशत्योस्तुलनात्मकमध्ययनम्	• **छात्रा के सामर्थ्य के अनुरूप नहीं होने से यह शीर्षक अस्वीकृत है।** • शीर्षक पर कार्य करने के लिये अपेक्षित विषय वस्तु का परिज्ञान नहीं है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढ़कर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
21.	PV/7717/2021-22	SASWATIKA MISHRA	डॉ. किशोर कुमार दलाई	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	प्रशस्थामित्रशास्त्रीविरचिते साहित्ये हास्यव्यङ्ग्यविलासः- एकमध्ययनम्	• **शीर्षक विचारणीय है।** • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर पुनः प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढ़कर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
22.	PV/7707/2021-22	SHREEDHAR SAHOO	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	भारतीयज्ञानपरम्परायां संस्कृत-रास काव्यानां सामाजिकदृष्ट्या समीक्षणम्	• **यथावत् शीर्षक अस्वीकृत है।** • शीर्षक को परिमार्जित करके पुनः प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढ़कर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।
23.	PV/7710/2021-22	SUCHISMITA KHANDAI	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	कथासाहित्यपरम्परायामुत्कलीयव्यासकवि-फकीरमोहनसेनापतिप्रणीतानां लघुकथानांसंस्कृतानुवादेन सह	• **शीर्षक विचारणीय है।** • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण कर के.स.वि. के शोधनीति के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।

						सम्पादनात्मकसमीक्षणम्	• अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें।
24.	V/7712/2021-22	SUSOBHAN SINHA MAHAPATRA	डॉ. महेश झा	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	हरिजीवनमिश्रविरचितस्याद्भुततरङ्गग्रहसनस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • प्रस्तुत शीर्षक पर कार्य हो चुके है। • के.सं.वि. के शोधनीति के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण शीर्षक प्रस्तुत करें।
25.	V/7728/2021-22	SUMITRA BISHWAL	प्रो. निर्मला पाणिग्रही	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	विदुरनीतिशतके सामाजिकव्यवस्था	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • शीर्षक पर अनेक शोधकार्य सम्पादित किये जा चुके है। • पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण अपेक्षित था। शोध में अपूर्वता भी प्रदर्शित करनी है। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।
26.	V/7711/2021-22	SUCHITRA SAHOO	प्रो. धर्मेन्द्र कुमार सिहंदेव	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	भारतीयज्ञानपरम्परायां संस्कृतच्छन्दसामुत्कलछन्दोभिः सहान्तःसम्बधविषयकं विश्लेषणात्मकमध्ययनं	• **शीर्षक विचारणीय है।** • शीर्षक से 'भारतीयज्ञानपरम्परा' शब्द को निष्कासित कर दें। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • प्रस्तर के भेद, शोधकार्य से सम्बन्धित ग्रन्थों का अध्ययन कर 4-5 उदाहरणों के साथ संशोधित शीर्षक को पुनः प्रस्तुत

						करें।
27.	VV 7728/ 2021-22	SUMITRA BISHWAL	प्रो. निर्मला पाणिग्राही	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	विदुरनीतिशतके सामाजिकव्यवस्था	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • शीर्षक पर अनेक शोधकार्य सम्पादित किये जा चुके है। • पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण अपेक्षित था। शोध में अपूर्वता भी प्रदर्शित करनी है। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टत: विस्तरश: बिन्दुश: समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।
28.	VV 7711/2021-22	SUCHITRA SAHOO	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	भारतीयज्ञानपरम्परायां संस्कृतच्छन्दसामुत्कलछन्दोभि: सहान्त:सम्बधविषयक विश्लेषणात्मकमध्ययन।	• **शीर्षक विचारणीय है।** • शीर्षक से 'भारतीयज्ञानपरम्परा' शब्द को निष्कासित कर दें। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • प्रस्तर के भेद, शोधकार्य से सम्बन्धित ग्रन्थों का अध्ययन कर 4-5 उदाहरणों के साथ संशोधित शीर्षक को पुन: प्रस्तुत करें।
29.	VV 7728/ 2021-22	SUMITRA BISHWAL	प्रो. निर्मला पाणिग्राही	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	विदुरनीतिशतके सामाजिकव्यवस्था	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • शीर्षक पर अनेक शोधकार्य सम्पादित किये जा चुके है। • पूर्वकृत शोधकार्य का सर्वेक्षण अपेक्षित था। शोध में अपूर्वता भी प्रदर्शित करनी है। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टत: विस्तरश: बिन्दुश: समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।
30.	VV 7711/2021-22	SUCHITRA SAHOO	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	Sahitya	Sadashiv Campus , Puri	भारतीयज्ञानपरम्परायां संस्कृतच्छन्दसामुत्कलछन्दोभि: सहान्त सम्बधविषयक विश्लेषणात्मकमध्ययन।	• **शीर्षक विचारणीय है।** • शीर्षक से 'भारतीयज्ञानपरम्परा' शब्द को निष्कासित कर दें।

							• शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • प्रस्तर के भेद, शोधकार्य से सम्बन्धित ग्रन्थों का अध्ययन कर 4-5 उदाहरणों के साथ संशोधित शीर्षक को पुनः प्रस्तुत करें।
31.	VV/7685/ 2021-22	ARIN KUMAR PATI	डॉ. धर्मेन्द्र कुमारसिंहदेव	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	विद्यापतिविरचितशङ्करदेवमहाकाव्यस्य वैष्णवभक्तिसिद्धान्तदृष्ट्या समीक्षणम्	• **संशोधित स्वीकृत शीर्षक है-** विद्यापतिविरचितशङ्करदेवमहाकाव्यस्य वैष्णवभक्तिसिद्धान्तदृष्ट्या साहित्यिक समीक्षणम्। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • शीर्षक के अनुरूप विषयों का विवेचन कर पुनः प्रस्तुत करें। • भाषागत अशुद्धियों का परिहार अपेक्षित है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें।
32.	VV/7686 2021-22	BABITARANI BEHERA	डॉ. किशोर कुमार दलाई	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	उत्कर्षराष्ट्रनिर्माणे सूर्यमणिरथप्रणीतानां शतककाव्यानामभिप्रेरणात्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • अनुसन्धान हेतु विषय स्पष्ट नहीं है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृतशोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
33.	VV/7641/ 2021-22	BIKASH KUMAR PRADHAN	डॉ. धर्मन्द्रप्रधान सिंह देव	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	भारतीयज्ञानपरम्परायां नैतिकमूल्याधारिततत्त्वा-राष्ट्रियशिक्षानीतिः-2020 दृशाविश्लेषणात्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • के.सं.वि. के शोधनीति के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृतशोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
34.	VV/7688/ 2021-22	DIPTIREKHA MISHRA	डॉ. सुशान्त कुमार राज	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	राष्ट्रहितसाधने सुदर्शनपाढिविरचितसिहंलविजयनाटकस्याभिप्रेरत्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • के.सं.वि. के शोधनीति के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।

							• सुदर्शन पाठि के अन्य ग्रन्थों का भी अवलम्बन बना कर उनके साहित्यिक कार्यों का अनुशीलन कर सकते है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृतशोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
35.	VV/7689/2021-22	KAMAL LOCHAN PRADHAN	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	वासुदेवरथसोमयाजिरचितगङ्गवंशानुचरितचम्प्वः समीक्षात्मकमध्ययनम्	• **शीर्षक स्वीकृत है।** • संशोधित शीर्षक है- वासुदेवरथसोमयाजिविरचितायाः गङ्गवंशानुचरितचम्प्वाः समीक्षात्मकमध्ययनम्। • शोधकार्य की ऐतिहासिक दृष्टि से विवेचन अपेक्षित है। • विशेषज्ञों द्वारा प्रदत्त परामर्श के अनुरूप अध्याय विभाजन कर पुनः प्रस्तुत करें। • शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें।
41	VV/7690/2021-22	MAMATA MAHANTY	डॉ.किशोर कुमार दलाई	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	श्रीगीतगोविन्दस्य सर्वाङ्गसुन्दरी-सञ्जीवनीटीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	1. शीर्षक अस्वीकृत है। 2. अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। 3. शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। 4. शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृतशोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
42	VV/7693/2021-22	NABA KUMAR ROY	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	संस्कृतराजनीतिशास्त्रोक्तषड्विधोपायानां साम्प्रतिकक्प्रसङ्गिकता	1. शीर्षक अस्वीकृत है। 2. अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। 3. शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। 4. शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृतशोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
43	VV/7694/2021-22	NARPHAL BAG	प्रो. किशोर कुमारदलाई	Sahitya	Sadashiv Campus Puri	श्रीकृष्णचैतन्यचरितामृतमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	1. शीर्षक अस्वीकृत है। 2. अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। 3. शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। 4. शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप पूर्वकृतशोधकार्य का सर्वेक्षण कर शीर्षक प्रस्तुत करें।
44	VV/7696/2021-22	PRAHALLAD PRADHAN	डॉ. सागरिकानन्दा	General Sanskrit	Sadashiv Campus Puri	सामाजिकव्यवस्थासन्दर्भे मनोः अम्बेदकरस्य च सिद्धान्तयोः तुलनात्मकमध्ययनम	1. क्षेत्र स्वीकृत है। 2. उक्त क्षेत्र में शोधकार्य सम्भव है।

							3. शोधक्षेत्र से सम्बन्धित आचार्यों से वार्ता करके तदनुरूप शीर्षक बनाकर पुनः प्रस्तुत करें। 4. अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। 5. शीर्षक से सम्बन्धित पूर्वकृत शोधकार्य का विवरण अपेक्षित है। 6. शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।
45	VV/7704 /2021-22	SANGITA DAS	प्रो. ललित कुमार साहू	Dharmashastra	Sadashiv Campus, Puri	मनुस्मृतेः वेदान्ततत्त्वसमीक्षणम् (भारतीयज्ञानपरम्पराः तासामनुप्रयोगश्च अन्तःशास्त्रीयबहुशास्त्रीयानुसन्धानम्)	• **शीर्षक अस्वीकृत है।** • मार्गदर्शक से परामर्श करके नूतन शीर्षक के अनुरूप पुनः शोधप्रस्ताव प्रस्तुत करें। • अध्यायविभाजन का विवरण स्पष्टतः विस्तरशः बिन्दुशः समग्र कलेवर को लिये हुये हो। • शोध में प्रतिपाद्य विषयों का 4-5 उदाहरणों के साथ निरूपण करें। • शोधनीति को पढकर उसके प्रधान शोधक्षेत्रों के अनुरूप शीर्षक प्रस्तुत करें।